Bachelor of Education (B.Ed.)
Title of the Course: Pedagogy IIA: P.2.2A: Hindi
Semester: I)

Credits: 2
Mm: 50 (External:35 Internal:15)
Contact Week 15

पाठ्यक्रम- परिचय

प्रस्तुत पाठ्यक्रम प्राग्विद्यालयी शिक्षकों को विद्यालय के माध्यमिक एवं सेकेंडरी स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण की विधियों, तकनीकों और उपागमों के प्रति उन्मुख करने का प्रयास है। यह प्राग्विद्यालयी शिक्षकों में हिन्दी भाषा के स्थान, हिन्दी भाषा - शिक्षण के महत्व विशेषकर प्रथम भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण के सिद्धांतों और अनुप्रयोग की समझ को विकसित करने का प्रयास करता है। यह पाठ्यक्रम मुख्य रूप से भाषा - कौशलों की समझ, विकास और उनके मूल्यांकन पर बल देता है। साथ ही सुझाया गया प्रायोगिक कार्य प्राग्विद्यालयी शिक्षकों को अवधारणाओं को आत्मसात करने के अवसर देता है।

अधिगम - प्रतिफल :

पाठ्यक्रम की समाप्ति के उपरान्त विद्यार्थी:

1. शिक्षा एवं विद्यालयी पाठ्यचर्या में भाषा के महत्व को रेखांकित कर सकेंगे।
2. अपने विद्यार्थियों में अपेक्षित भाषा कौशलों के विकास के लिए स्वयं में भी भाषा-कौशलों के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील रहेंगे।
3. भाषा कौशलों के विकास के लिए स्रोतों एवं संसाधनों का अभिनिर्धारण कर सकेंगे
4. प्रथम भाषा अधिगम की समस्याओं को समझकर उन्हें दूर करने का प्रयास कर सकेंगे।

Number of Units: 4 **Weeks 15 = 30 hours**

इकाई 1 हिन्दी भाषा-शिक्षण: सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य **3 सप्ताह = 6 घंटे**

- भाषा: अर्थ, महत्व एवं प्रकार्य , हिन्दी भाषा की प्रकृति
- हिन्दी की व्याकरणिक व्यवस्था - ध्वनि विचार, वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार

(52)

Head/Dean
विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष
शिक्षा विभाग/Deptt. of Education
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007

- हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य-प्रथम भाषा एवं अन्य भाषा के रूप में, संपर्क भाषा एवं राजभाषा के रूप में, विद्यालयी पाठ्यचर्या में हिन्दी का स्थान, विभिन्न शिक्षा आयोगों एवं समितियों की संस्तुतियाँ

इकाई 2 भाषा कौशलों(सुनना और बोलना) का विकास **4 सप्ताह = 8घंटे**

- भाषा कौशलों से अभिप्राय, भाषा शिक्षण में उनका स्थान एवं महत्व
- श्रवण कौशल - तात्पर्य , महत्त्व, उद्देश्य, प्रकार , शिक्षण विधियाँ, कौशल विकासक क्रियाएँ, मूल्यांकन
- मौखिक अभिव्यक्ति कौशल- तात्पर्य, महत्त्व, उद्देश्य, प्रकार ,मौखिक रचना की विशेषताएँ, उच्चारण संबंधी सामान्य दोष, कारण एवं निराकरण, कौशल विकासक क्रियाएँ , मूल्यांकन

इकाई 3 भाषा कौशल (पठन) का विकास **4 सप्ताह = 8 घंटे**

- पठन कौशल - तात्पर्य , महत्त्व, उद्देश्य, पठन की विशेषताएँ
- उद्देश्यों के सन्दर्भ में पठन के प्रकार -सस्वर तथा मौन पठन, गहन अध्ययननिष्ठ पठन तथा व्यापक पठन,
- पठन कौशल विकासक क्रियाएँ
- पठन दोष-कारण तथा निराकरण

□इकाई 4 भाषा- कौशल (लेखन) का विकास **4 सप्ताह = 8घंटे**

- लेखन कौशल - तात्पर्य , महत्त्व, शिक्षण-उद्देश्य, प्रभावी लेखन की विशेषताएँ
- लिखित अभिव्यक्ति के विविध रूप
- लेखन कौशल विकासक क्रियाएँ,
- रचना शिक्षण- निर्देशित लेखन, स्वतंत्र लेखन, सृजनात्मकता
- लेखन कार्य का मूल्यांकन

प्रस्तावित प्रायोगिक / परियोजना कार्य (कोई दो)

- भाषा कौशलों संबंधी भाषा खेल निर्माण
- सुनने एवं बोलने के लिए श्रव्य संसाधनों का विकास
- ज्ञानपीठ, साहित्य अकादमी, हिन्दी अकादमी आदि द्वारा पुरस्कृत रचनाओं में से किन्हीं दो रचनाओं का पठन एवं उन पर समीक्षात्मक लेखन

(53)

Head/Dean
विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष
शिक्षा विभाग/Deptt. of Education
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
University of Delhi, Delhi-110007

- विविध विषयों में से किसी एक का चयन कर उसपर भिन्न- भिन्न विधाओं में लेखन कार्य

Note: On the basis of the above, the teacher may design his/her own relevant projects/
assignments

अनिवार्य सन्दर्भ - ग्रन्थ :

- कुमार कृष्ण(2004), बच्चे की भाषा और अध्यापक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली
- अग्निहोत्री रमाकांत, खन्ना अमृतलाल (2014), भाषा एवं भाषा शिक्षण खंड 1, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
- तिवारी, भोलानाथ(1990), हिन्दी भाषा शिक्षण, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
- प्रसाद, केशव (1976), हिन्दी शिक्षण, धनपत राय एंड संस, दिल्ली
- बाछोतिया हीरा लाल (2011), हिन्दी शिक्षण: संकलपना और प्रयोग, किताबघर प्रकाशन , दिल्ली
- भोंसले,सदानंद (2020), हिन्दी भाषा शिक्षण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- लहरी,रजनीकान्त (1975), हिन्दी शिक्षण, राम प्रसाद एंड संस, आगरा
- श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ (2005), भाषा- शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- सिंह, दिलीप (2010), अन्य भाषा शिक्षण के बृहत् सन्दर्भ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- सिंह, निरंजन कुमार (1981) माध्यमिक विद्यालयों में हिन्दी शिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- सिंह संध्या(समन्वयक) (2018) , भाषा- शिक्षण हिन्दी भाग -1, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

अतिरिक्त सन्दर्भ ग्रन्थ :

- अज्ञेय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन (2010), वत्सल निधि प्रकाशन माला: संविति, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, नई दिल्ली
- गुप्ता, मनोरमा(1984), भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

Head/Dean
विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष
शिक्षा विभाग/Dept. of Education
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
University of Delhi, Delhi-110007

- गोस्वामी, कृष्ण कुमार एवं शुक्ल देवेन्द्र (1992), साहित्य-शिक्षण, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, मद्रास
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप (2005), हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
- तिवारी, पुरुषोतम (1992), हिन्दी शिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी

शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया : पाठ्यक्रम संव्यवहार के लिए अंतःक्रियात्मक शिक्षणशास्त्रीय पद्धतियों यथा कक्षा- चर्चाओं, पठन सामग्री पर आधारित सामूहिक अधिगम कार्यों, विमर्शात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

आकलन - पद्धति : आकलन अपनी प्रकृति में निर्माणात्मक (फार्मेटिव) होगा और उसमें विद्यार्थियों की सहभागिता, व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य तथा प्रदत्त कार्य (असाइनमैंट) दिए जाएँगे। संकलनात्मक (सम्मेटिव) मूल्यांकन सेमेस्टर के अंत की परीक्षाओं से होगा।

Keywords: Hindi, Shikshan Shastr,

Head/Dean
विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष
शिक्षा विभाग/Dept. of Education
दिल्ली विश्वविद्यालय, Delhi-110007
University of Delhi, Delhi-110007